Re. Elections in Bihar

विपक्ष के नेता (श्री सिकन्दर बख्त : सदर साहिबा मुझे दो बातें कहनी हैं। मिनिस्टर साहब स्टेटमेंट सप्लाई करेंगे तभी हम क्लेरिफिकेशन पूछ सकते हैं, नम्बर एक। नम्बर दो यह कि दो दिन में मुसलसल गवर्नमेंट क्या किस सिलसिले में करना चाहती है पहलू घड़ी-घड़ी बदल रहे हैं। मुझे जाती-तौर पर किसी की मुखालिफत नहीं करनी है लेकिन यहां मिनिस्टर साहिबा ने बयान दिया है कि कल स्टेटमेंट होगा मिनिस्टर साहब का। होम मिनिस्टर साहब ने हमको याद किया, अपने कमरे में बुलाया। ला मिनिस्टर साहब भी वहां तशरीफ रखे थे। वहां बताया गया कि शाम को 6 बजे कैबिनट की मीटिंग हो रही है, इसलिए आप...

SHRIMATI JAYANTHI NATARAJAN (Tamil Nadu): Madam, they requested for a statement.

श्री सिकन्दर बख्त : इसलिए आज यह बयान नहीं हो सकता। कैबिनेट की मीटिंग में इस पर गौर किया जाएगा, फैसला किया जाएगा कि बिहार में क्या होना है। लेकिन सिलसिला यह है कि कैबिनेट मीटिंग नहीं हुई जब कि यहां सोम्रो-मोटो स्टेटमेंट करने के लिए कहा गया है।... (**व्यवधान**)...सदर साहिबा, इसमें दो बातें हैं। पहली बात मैं यह जानना चाहता हूं घड़ी घड़ी फैसला क्यों बदले जा रहे हैं? मैं कहना चाहता हूं कि पार्लियामेंट को आप इस तरह का एक तमाशा न बनायें। हाउस में ऐलान करने के बाद एक फैसला होता है, होम मिनिस्टर साहब ने कल इसको एक्सटेंड किया, हम इसके लिए तैयार हो गये। होम मिनिस्टर साहब इस पर बयान करेंगे लेकिन इस कंडीशन के साथ कि कैबिनेट इस मसले पर गौर करेगी और गौर करने के बाद होम मिनिस्टर साहब यहां पर फार्मल बयान जारी करेंगे। लेकिन अभी तक ब्यान की कोई कापी हमें मुहैया नहीं की गई है। मैं जानना चाहता हूं कि आखिर रोज रोजाना इस तरह पहलू बदलने का मतलब क्या है।... (**व्यवधान**)...हमारे हुकूक... (**व्यवधान**)...

उपसभापति : सिकन्दर बख्त साहब, उनको बोलने दीजिए। ला मिनिस्टर बोल रहे हैं।... (**व्यवधान**)...

श्री सिकन्दर बख्त : ये रोज रोज पहलू क्यों बदलते हैं?... (**व्यवधान**)...।

उपसभापति : संघ प्रिय जी, आप बैठ जाइए।... (**व्यवधान**)...आप बैठ जाइए।

श्री सिकन्दर बख्त : रोज रोज पहलू बदलने का क्या मतलब है? सदन में एक मिनिस्तर एश्योर करता है कि this is what is going to happen. कल शाम को होम मिनिस्टर साहब और लीडर आफ दि हाउस से एश्योरेंस मिलता है... (**व्यवधान**)...उन्होंने कहा कि स्टेटमेंट होगा। इसलिए हमें स्टेटमेंट की कापी मुहैया की जाए, हम क्लेरीफिकेशन पूछना चाहेंगे और उन बातों का जवाब चाहेंगे। यह तीसरी मर्तबा हो रहा है। आखिर पहलू क्यों बदले जा रहे हैं, इसका जवाब आना चाहिए।

+[ ]Transliteration in Arabic script.

نیتا ورودھی دل: شری سکندر بخت صدر صاحبہ۔ مجھے دو باتیں کہنی ہیں۔ منسٹر صاحب اسٹیٹمنٹ سپلائی کرینگے تبھی ہم کلیری فکیشن پوچھ سکتے ہیں۔ نمبر ایک نمبر دو یہ کہ دو دن سے مسلسل گورنمنٹ کیا اس سلسلے میں کرنا چاہتی ہے۔ پہلو گھڑی گھڑی بدل رہے ہیں۔ مجھے ذاتی طور پر کسی کی مخالفت نہیں کرنی ہے لیکن یہاں منسٹر صاحبہ نے بیان دیا ہے کہ کل اسٹیٹمنٹ ہوگا منسٹر صاحب کا۔ ہوم منسٹر صاحب نے ہم کو یاد کیا۔ اپنے کمرے میں بلایا۔ لا منسٹر صاحب بھی وہاں تشریف رکھتے تھے۔ وہاں بتایا گیا کہ شام کو ۶ بجے کیبنیٹ کی میٹنگ ہو رہی ہے اس لئے آپ..

SHRIMATI JAYANTH NATARAJAN: Madam, they requested for a statement.

شری سکندر بخت: اس لئے آج نہ بیان نہیں ہو سکتا کیبنیٹ کی میٹنگ میں اس پر غور کیا جائے گا فیصلہ کیا جائے گا کہ یہاں میں کیا ہونا ہے لیکن سلسلہ یہ ہے کہ کیا بیٹھے مٹیک نہیں ہوتی جبکہ یہاں سوو موٹو اسٹیٹمنٹ کرنے کے لئے کہا گیا ہے ... "مداخلت" ... صاحبہ اس میں دو باتیں ہیں پہلی بات میں یہ جاننا چاہتا ہوں کہ کنڈکٹ رولز فیصلے ہوں بدلے جا سکتے ہیں میں کہنا چاہتا ہوں کہ پارلیمنٹ کو آپ اس طرح کا ایک تماشہ نہ بنائیں۔ ہاؤس میں فیصلہ کرنے کے بعد ایک فیصلہ ہوتا ہے ہوم منسٹر صاحب نے کل اس کو اکسیپٹ کیا ہم اس کے لئے تیار ہو گئے ہوم منسٹر صاحب اس پر بیان کریں گے لیکن اس کنڈیشن کے ساتھ کہ کیبنیٹ اس مسئلہ پر غور کریگی اور غور کرنے کے بعد ہوم منسٹر صاحب یہاں پر فائنل بیان جاری کریں گے لیکن ابھی تک یہاں کی کوئی کاپی ہمیں مہیا نہیں کی گئی ہے میں جاننا چاہتا ہوں کہ رولز بدلنے کا مطلب کیا ہے "مداخلت" ... ہمارے حقوق ... "مداخلت" ...

آپ سبھاپتی: سکندر بخت صاحب، ان کو بولنے دیجئے۔ لا منسٹر صاحب بول رہے ہیں ... "مداخلت" ...

شری سکندر بخت: یہ روز روز پہلو کیوں بدلتے ہیں ... "مداخلت" ...

آپ سبھاپتی: سنگھ پیر جی. آپ بیٹھ جائیے ... "مداخلت" ... آپ بیٹھ جائیے۔

شری سکندر بخت: روز روز پہلو بدلنے کا کیا مطلب ہے۔ سدن میں ایک منسٹر اشیور کرتا ہے کہ کل شام کو ہوم منسٹر صاحب اور لیڈر آف دی ہاؤس سے اشیورنس ملتا ہے ... "مداخلت" ... انہوں نے کہا کہ اسٹیٹمنٹ ہوگا اس لئے ہمیں اسٹیٹمنٹ کی کاپی مہیا کی جائے ہم کلیری فیکیشن پوچھنا چاہتے تھے اور ان باتوں کا جواب چاہتے تھے۔ یہ تیسری مرتبہ ہو رہا ہے آخر پہلو کیوں بدلے جا رہے ہیں۔ اس کا جواب آنا چاہئے۔

THE DEPUTY CHAIRMAN: Let him at least give an explanation and say what he has to say.

SHRI SIKANDER BAKHT: Who will give an explanation?

THE DEPUTY CHAIRMAN: The Law Minister, the Leader of the House, they both are here.

SHRI SIKANDER BAKHT: It has to come from the Leader of the House.

उपसभापति: दोनों बैठे है आपके सामने।

†[ ]Transliteration in Arabic Script.

SHRI SIKENDER BAKHT: That meeting was called by the Leader of the House.

THE DEPUTY CHAIRMAN: He is here.

सैयद सिब्ते रजी (उत्तर प्रदेश) : मैडम, कल यहां सारे मेंबरान ने बिहार में जो सिचुएशन अराइज़ हुई है, उस पर आवाज उठाई थी। मैंने भी कल यही कहा था कि गवर्नमेंट को इस पर रिस्पांस देना चाहिए कि वहां पर क्या सिचुएशन है। अगर गवर्नमेंट हमारी क्वेरी और कन्सर्न पर रिस्पांस देना चाहती है तो I think there is no harm.

कोई जरूरी नहीं है कि सोओ-मोटो स्टेटमेंट फार्मल तरीके से आए। वहां पर जो सिचुएशन अराइज़ हुई है उस पर गवर्नमेंट का क्या रीऐक्शन है, क्या रिस्पांस है, सदन यह जानना चाहता है और इसीकी हम डिमांड कर रहे हैं। इसलिए इस पर गवर्नमेंट का क्या रिस्पांस है, क्या रिऐक्शन है इसको हम सुनें।

شری سید سبط رضی "اتر پردیش": میڈم، کل یہاں سارے ممبران نے بہار میں جو سچوایشن ایرائز ہوئی ہے۔ اس پر آواز اٹھائی تھی۔ میں نے بھی کل یہی کہا تھا کہ گورنمنٹ کو اس پر ریسپانس دینا چاہئیے کہ وہاں پر کیا سچوایشن ہے۔ اگر گورنمنٹ ہماری "کوئیری" اور "کنسرن" پر ریسپانس دینا چاہتی ہے تو کوئی ضرورت نہیں ہے کہ "سوموٹو اسٹیٹمنٹ" فارمل طریقہ سے آئے۔ وہاں پر جو سچوایشن ارائز ہوئی ہے اس پر گورنمنٹ کا کیا ری ایکشن ہے۔ کیا رسپانس ہے ہمدن یہ جاننا چاہتا ہے اور اس کی ہم ڈیمانڈ کر رہے ہیں۔ اس لئے گورنمنٹ کا اس پر کیا رسپانس ہے۔ کیا ری ایکشن ہے اس کو ہم سنیں۔

श्री सिकन्दर बख्त : मैं इसका जवाब नहीं देना चाहता। . . . (**व्यवधान**) . . . मेरा कहना है कि जो एग्रीरेंम होम मिनिस्टर साहब ने अपने कमरे में हुई मीटिंग के अंदर फार्मली किया था, उसके खिलाफ वह क्यों बल रहे है। नंबर एक, और नंबर दो इस बारे में रिटिन स्टेटमेंट आना चाहिए ताकि हम उस पर क्लेरिफिकेशन पूछ सकें।

شری سکندر بخت: میں اس کا جواب نہیں دینا چاہتا۔۔۔ "مداخلت"۔۔۔ میرا کہنا ہے کہ جو ایشورنس ہوم منسٹر صاحب نے اپنے کمرے میں ہوئی میٹنگ کے اندر فارملی کیا تھا اس کے خلاف وہ کیوں چل رہے ہیں۔ نمبر ایک اور نمبر دو اس بارے میں رٹن اسٹیٹمنٹ آنا چاہئیے۔ تاکہ ہم اس پر کلیری فیکیشن پوچھ سکیں

SHRIMATI JAYANTHI NATARAJAN: If they don't want a statement. . . .

. . . (*Interruptions*) . . .

SHRI GURUDAS DAS GUPTA (West Bengal): It seems he was in the meeting. There is a procedure in the House. If the Government would like to respond, let the Government respond. If the hon. Member or the party he represents has something to say, let us listen to him. But there cannot be a statement prior to a statement.

. . . (*Interruptions*) . . .

श्री सिकन्दर बख्त : क्या हुआ, मेरी बातों के जवाब का क्या हुआ ?

شری سکندر بخت: کیا ہوا میری باتوں کے جواب کا کیا ہوا۔

THE DEPUTY CHAIRMAN: Let him say now.

SHRI SIKANDER BAKHT: The Law Minister is not concerned. It is from the Leader of the House that I want to know what has happened to the decision taken in his room.

...(*Interruptions*)...

SHRI S. JAIPAL REDDY (Andhra Pradesh): Madam, I would like to make one thing clear.

THE DEPUTY CHAIRMAN: One minute. .. (Interruptions)...

SHRI S. JAIPAL REDDY: It was we who raised the issue yesterday and Government is merely responding to what we had raised. Therefore, it is not a *suo motu* statement. Let the Government respond to it. I would like to know what the Government has done.

...(*Interruptions*)...

THE DEPUTY CHAIRMAN: Sikander Bakht Saheb, let him at least speak.

श्री सिकन्दर बख्त : मैं यह जानना चाहता हूं कि यह तीन पहलू बदलने की वजह क्या है ? (**व्यवधान**)

†شری سکندر بخت: میں یہ جاننا چاہتا ہوں کہ یہ تین پہلو بدلنے کی وجہ کیا ہے .. مداخلت..

The Law Minister is not responsible for that.

THE DEPUTY CHAIRMAN: The Law Minister is responsible now. ...

..(*Interruptions*)...

SHRI SIKANDER BAKHT: I beg your pardon. That decision was taken.

श्री विष्णुकान्त शास्त्री (उत्तर प्रदेश): बिहार में छप गया (**व्यवधान**)

श्री सिकन्दर बख्त : मेरी गुजारिश का जवाब आना चाहिए । (**व्यवधान**)

†شری سکندر بخت: میری گزارش کا جواب آنا چاہیئے .. مداخلت..

THE DEPUTY CHAIRMAN: Sikander Bakht Saheb, the responsibility of the Government is all together. It is entirely the prerogative of the Government on whom to assign the responsibility in the House. I or anybody else cannot say that so and so should be given the responsibility. ...(*Interruptions*)... Just a second, please.

Whatever you may demand and whatever else many other Members may demand, it is entirely the prerogative of the Government to decide who is going to respond in the House on behalf of the Government. Mr. Bhardwaj is a Minister. He is the Minister for Law, and he will let you know from the side of the Govvernment. He is responding from the side of the Government. We are not dealing with indivituals. We are not dealing with individuals. We are dealing with the Government.

SHRI SIKANDER BAKHT: I am sorry. I beg your pardon, Madam.

SHRI V. NARAYANASAMY (Pondicherry): They do not want to listen to the Minister. That is the whole problem. When the Government is answering, he should listen.

†[ ]Transliteration in Arabic script.

श्री सिकन्दर बख्त : सदर साहेबा, मैं खाली यह पूछना चाहता हूं कि मैंने जो सवाल किये हैं पार्लियामेंटरी अफेयर्स मिनिस्टर साहब से और लीडर आफ दी हाऊस से... (**व्यवधान**)... वह मेरे सवालों का जवाब दे सकते हैं (**व्यवधान**) मेरा सवाल पार्लियामेंटरी अफेयर्स मिनिस्टर मिसेज आल्वा से पर्सनल है (**व्यवधान**)

†شری سکندر بخت: صدر صاحبہ۔ میں خالی یہ پوچھنا چاہتا ہوں کہ میں نے جو سوال کئے ہیں پارلیمنٹری افیئرس منسٹر صاحب سے اور لیڈر آف دی ہاؤس سے ....."مداخلت"..وہ میرے سوالوں کا جواب دے سکتے ہیں۔ میرا سوال پارلیمنٹری افیئرس منسٹر مسز الوا سے پرسنل ہے۔"مداخلت"..

SHRI GURUDAS DAS GUPTA: Madam, I submit that this is totally a non-issue that he is raising.

THE DEPUTY CHAIRMAN: I understand, I know. (*Interruptions*) Sikander Bakht Saheb, you have a question. The question was of primary concern of all the Members in this House yesterday. Here, Mr. Bhardwaj is being assigned by the Government the responsibility to come and respond or to speak before the House. Now, your concern is what happened to the assurance given. That you can ask, personally, but, first, let the Minister say something.

श्री सिकन्दर बख्त : सदर साहेबा जो एश्योरेंस इस सदन में मिनिस्टर साहब ने दी कि साढ़े चार बजे होम मिनिस्टर साहब स्टेटमेंट करेंगे। उस एश्योरेंस का क्या हुआ ? (**व्यवधान**)

شری سکندر بخت: صدر صاحبہ۔ جو ایشورنس اس سدن میں منسٹر صاحب نے دی کہ ساڑھے چار بجے ہوم منسٹر صاحب اسٹیٹمنٹ کریں گے۔ اس ایشورنس کا کیا ہوا..."مداخلت"..

SHRIMATI JTYANTHI NATARAJAN: Madam, you please allow the Minister to make a statement.

THE DEPUTY CHAIRMAN: I have allowed him.

श्री सिकन्दर बख्त : मैं उसूली बात जानना चाहता हूं। एक मिनिस्टर आन दी फ्लोर आफ दी हाऊस एश्योर करती हैं कि लीडर आफ दी हाऊस साढ़े चार बजे स्टेटमेंट करेंगे। दूसरा एश्योरेंस उनके कमरे में दिया जाता है कि केबीनेट का फैसला आने के बाद यहां होम मिनिस्टर साहब, लीडर आफ दी हाऊस स्टेटमेंट करेंगे..

شری سکندر بخت: میں اصولی بات جاننا چاہتا ہوں ایک منسٹر آن دی فلور آف دی ہاؤس ایسیور کرتی ہے کہ لیڈر آف دہ ہاؤس ساڑھے چار بجے اسٹیٹمنٹ کریں گے دوسرا ایشورنس انکے کمرے میں دیا جاتا ہے کہ کیبنٹ کا فیصلہ آنے کے بعد یہاں ہوم منسٹر صاحب "لیڈر آف دی ہاؤس" اسٹیٹمنٹ کرینگے..

SHRI V. NARAYANASAMY: When the Minister wants to make a statement, they do not want to listen to him. That is the trouble.

†[ ]Transliteration in Arabic script.

श्री सिकन्दर बख्त : मैं जानना चाहता हूं इन दोनों एक्योरेंसेज का क्या हश्र हुआ ? इसका कोई जवाब ला मिनिस्टर की तरफ से नहीं आ सकता है (**व्यवधान**) मेरी बात का जवाब आना चाहिए (**व्यवधान**)

شری سکندر بخت : میں جاننا چاہتا ہوں کہ ان دونوں ایشورنسز کا کیا حشر ہوا۔ اس کا کوئی جواب لا منسٹر صاحب کی طرف سے نہیں آسکتا ہے ... میری بات کا جواب آنا چاہیئے ... مداخلت ...

THE DEPUTY CHAIRMAN: Just one second. Order.

THE MINISTER OF HOME AFFAIRS (SHRI S. B. CHAVAN): Madam,... (*Interruptions*)...

THE DEPUTY CHAIRMAN: The mike should be on. The other mike should also be on.

SHRI S. B. CHAVAN: My colleague, Shri Bhardwaj, is going to make a statement, and if at all it becomes absolutely necessary, I will also intervene.

श्री दिग्विजय सिंह (बिहार) : अब तो मान जाइये बख्त साहब (**व्यवधान**)

श्री जगदीश प्रसाद माथुर (उत्तर प्रदेश) : मैं एक रिक्वेस्ट करना चाहता हूं । (**व्यवधान**)

उपसभापति : अब सेटिस्फाई हो गये आप । बोलिये (**व्यवधान**) बैठ जाइये माथुर साहब । (**व्यवधान**)

Mathur Saheb, that is too much. I am not allowing it. I am not allowing anything. I am not allowing it. I am not allowing it. It will not go on record.

[ ]Transliteration in Arabic script.

SHRI JAGDISH PRASAD MATHUR: *

THE DEPUTY CHAIRMAN: You cnanot ask that. Nothing is going on record.

SHRI JAGDISH PRASAD MATHUR: *

THE DEPUTY CHAIRMAN: Mathur Saheb, will you please sit down? I am not allowing it... It is not going on record. Please sit down.

माथुर साहब बोलने दीजिए । (**व्यवधान**) बात करने दीजिए पहले पूरी (**व्यवधान**)

STATEMENT BY MINISTER

Elections in Bihar

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTER OF LAW, JUSTICE AND COMPANY AFFAIRS (SHRI H. R. BHARDWAJ): Madam, this House is aware that certain apprehensions were raised by the Leader of the Opposition and certain views were expressed by other leaders of the Opposition and it was incumbent upon the Government to take note of them. In deference to these views the hon. Home Minister had discussed this issue and said that we were not keeping anything back from the House and we would come up with a statement. Now we are ready to respond to the sentiments expressed by the hon. leaders of the Opposition and today I am submitting before the House that the situation in Bihar has been studied properly and it has been decided to continue with the present arrangement there However, ... (*Interruptions*) Madam,